# सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में यूरेशियन ओटर रेडियो-टैग किया

## चर्चा में क्यों?

भारत में पहली बार, मध्य प्रदेश के **नर्मदापुरम** ज़िले में [सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व (STR)](#) में एक **यूरेशियन ओटर/ऊदबिलाव** को रेडियो-टैग किया गया।

## मुख्य बिंदु:

- भारत में आमतौर पर ऊदबिलाव की तीन प्रजातियाँ पाई जाती हैं- **स्मूद कोटेड ओटर, एशियन स्मॉल क्लॉड ओटर** और **यूरेशियन ओटर**।
- स्मूद कोटेड ओटर के अलावा वर्ष 2016 तक मध्य भारत में शेष दो ऊदबिलाव प्रजातियों की उपस्थिति का कोई साक्ष्य नहीं था, जब यूरेशियन ओटर को पहली बार STR में कैमरे में कैद किया गया था, जो मध्य भारत में ऊदबिलाव प्रजातियों के निवास स्थान के विस्तार को दर्शाता है।
- इस कमी को पूरा करने के लिये मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा**वन्यजीव संरक्षण ट्रस्ट (WCT)** के साथ साझेदारी में **वर्ष 2019 में सतपुड़ा में एक परियोजना शुरू की गई** थी।
    - इसका उद्देश्य एस्ट्रल फाउंडेशन और अल्काइल एमाइन्स फाउंडेशन के समर्थन से यूरेशियन ऊदबिलावों की पारिस्थितिकी का अन्वेषण करना तथा वन्य नदी पारिस्थितिकी तंत्र का पता लगाना है।
    - वन्यजीव संरक्षण ट्रस्ट मुंबई स्थित एक भारतीय गैर-लाभकारी संगठन है जिसे वर्ष 2002 में पंजीकृत किया गया था।

## स्मूद कोटेड ओटर

- यह ऊदबलािव की एक प्रजाति है। इसका वैज्ञानकि नाम **लुट्रोगेल परसपसिलिटा (***Lutrogale perspicillata)* है।
- **स्थति:**
  - ये **भारत से लेकर पूर्व** की ओर **पूरे दक्षणी एशिया में** पाए जाते हैं।
  - **इराक के दलदलों** में भी एक अलग आबादी/जीव संख्या पाई जाती है।
- **आवास:**
  - वे ज़्यादातर तराई क्षेत्रों, तटीय मैंग्रोव वनों, पीट दलदली वनों, अलवण जलीय आर्द्रभूमियों, बड़ी वन्य नदियों, झीलों और धान के खेतों में पाए जाते हैं।
  - कुछ ऊदबलािव जल के नकिट स्थायी बलि बनाते हैं जसिमें जल के अंदर प्रवेश द्वार और एक सुरंग होती है जो उच्च जल स्तर के ऊपर एक कोष्ठ तक जाती है।
  - हालाँकि जिल में अनुकूलति, चिकनी बाह्य आवरण वाले ऊदबलािव अर्थात् स्मूद कोटेड ओटर ज़मीन पर भी समान रूप से वचिरण करते हैं और उपयुक्त आवास की तलाश में ज़मीन पर लंबी दूरी की यात्रा करते हैं।
- **संरक्षण की स्थति:**
  - **IUCN रेड लसि्ट:** सुभेद्य

## एशयिन स्मॉल क्लॉड ओटर

- इसका वैज्ञानकि नाम एओनक्सि सनिरेयिस (*Aonyx cinereus*) है।
- **स्थति:**
  - इसकी एक वसि्तृत वतिरण शृंखला है, जो दक्षणि एशिया में भारत से लेकर पूर्व की ओर दक्षणि पूर्व एशिया और दक्षणी चीन तक फैली हुई है।
  - भारत में ये ज़्यादातर पश्चमि बंगाल, असम और अरुणाचल प्रदेश के संरक्षति क्षेत्रों व कर्नाटक, तमलिनाडु एवं पश्चमी घाट क्षेत्र में केरल के कुछ हसि्सों में पाए जाते हैं।
- वे मुख्य रूप से अलवण जलीय आवासों जैसे: नदियों, झरनों और आर्द्रभूमियों में पाए जाते हैं।
- ये मछली, क्रस्टेशयिंस और मोलस्क पर भोजन के लयि आश्रति होते हैं।
- संरक्षण की स्थति:
  - **वन्यजीव संरक्षण अधनियिम 1972:** अनुसूची-I
  - **IUCN स्थति:** सुभेद्य

## यूरेशयिन ओटर

- **परिचय:**
  - यह एक **अर्द्ध-जलीय मांसाहारी स्तनपायी** है।
  - इसका वैज्ञानिक नाम *□□□□□□ □□□□□□ (Lutra lutra)* है।
- **स्थिति:**
  - यह सभी **पुरापाषाण स्तनधारियों में सबसे व्यापक वितरणों** में से एक है।
  - इसकी सीमा तीन महाद्वीपों के हिस्सों को कवर करती है: यूरोप, एशिया और अफ्रीका।
  - भारत में, यह **उत्तरी, पूर्वोत्तर और दक्षिणी भारत** में पाए जाते हैं।
- **प्राकृतिक वास:**
  - यह विभिन्न प्रकार के जलीय आवासों में निवास करते हैं, जिनमें उच्चभूमि और तराई झीलें, नदियाँ, नद, दलदल, दलदली जंगल तथा तटीय क्षेत्र शामिल हैं।
  - भारतीय उपमहाद्वीप में, यूरेशियन ओटर ठंडी पहाड़ी क्षेत्रों और पहाड़ी नदियों में पाए जाते हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN**: संकटापन्न
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**: अनुसूची-II
  - **CITES**: परिशिष्ट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/eurasian-otter-radio-tagged-in-satpura-tiger-reserve